Q: पशु आनुवंशिक संसाधनों (AnGR) पर अंतर सरकारी तकनीकी कार्य समूह (ITWG) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसका 12वां अधिवेशन रोम में हुआ।
2. यह वैश्विक स्तर पर पशु आनुवंशिक संसाधन (AnGR) से संबंधित तकनीकी मुद्दों की समीक्षा करने का कार्य करता है।
3. चीन को उपाध्यक्ष के रूप में चुना गया और एशिया और प्रशांत क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: a
व्याख्या:

- हाल ही में आयोजित पशु आनुवंशिक संसाधन (एजीआर) पर अंतर सरकारी तकनीकी कार्य समूह (आईटीडब्ल्यूजी) के 12वें सत्र में भारत को उपाध्यक्ष के रूप में चुना गया और उसने एशिया व प्रशांत क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।
- खाद्य और कृषि के लिए आनुवंशिक संसाधनों पर एफएओ के आयोग (सीजीआरएफए) ने इस कार्यकारी समूह का गठन किया था। इस समूह का कार्य तकनीकी मुद्दों की समीक्षा करना, आयोग को सलाह देना व सिफारिशें सौंपना और वैश्विक स्तर पर एजीआर से संबंधित आयोग के कार्यक्रम को आगे लागू करना है।

Q: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. हाल ही में यूनेस्को ने यूक्रेन के सामरिक महत्व के शहर डीनिप्रो को खतरे में विश्व धरोहर घोषित किया था।
2. ओडेसा यूक्रेन के काला सागर तट पर एक रणनीतिक बंदरगाह शहर है।
3. यमन में मेरिब और लेबनान में रचिद करामी इंटरनेशनल फेयर-त्रिपोली डेंजर साइट्स में वर्ल्ड हेरिटेज में सूचीबद्ध हैं।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: b
व्याख्या:

- हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने ओडेसा के ऐतिहासिक केंद्र, यूक्रेन के काला सागर तट पर एक रणनीतिक बंदरगाह शहर, को खतरे में विश्व धरोहर के रूप में नामित किया था।
- इससे पहले यूनेस्को ने साबा के प्राचीन साम्राज्य के लैंडमार्क, यमन में मारिब और लेबनान में रचिद करामी अंतर्राष्ट्रीय मेले-त्रिपोली को खतरे के स्थलों में विश्व विरासत की अपनी सूची में शामिल किया था।
- 24 फरवरी, 2022 को यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से रूस द्वारा ओडेसा पर कई बार बमबारी की गई है।
- जुलाई 2022 में, ओडेसा के म्यूज़ियम ऑफ़ फाइन आर्ट्स की बड़ी कांच की छत और खिड़कियों का हिस्सा नष्ट हो गया, जिसका उद्घाटन 1899 में हुआ था।

Q: 1926 की बालफोर घोषणा के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. इस घोषणा में, "प्रभुत्व की स्थिति" को परिभाषित किया गया था।
2. 1926 में कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देशों को प्रभुत्व का दर्जा दिया गया

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2
d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: c
व्याख्या:

- 1926 के बालफोर घोषणा में, प्रभुत्व को "ब्रिटिश साम्राज्य के भीतर स्वायत्त समुदायों के रूप में परिभाषित किया गया था, जो स्थिति में समान थे, किसी भी तरह से अपने घरेलू या बाहरी मामलों के किसी भी पहलू में एक दूसरे के अधीनस्थ नहीं थे, हालांकि क्राउन के प्रति एक सामान्य निष्ठा से एकजुट थे। और स्वतंत्र रूप से राष्ट्रों के ब्रिटिश राष्ट्रमंडल के सदस्यों के रूप में जुड़े हुए हैं।
- 1926 में, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देशों को प्रभुत्व का दर्जा दिया गया।

Q: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. नेहरू और बोस के अनुसार, प्रभुत्व की स्थिति के तहत भारत सीमित स्तर की स्वायत्तता का आनंद उठाएगा।
2. ब्रिटिश संसद और क्राउन के पास अभी भी भारतीय मामलों में दखल देने की क्षमता होगी।
3. प्रभुत्व का दर्जा प्राप्त करने से भारत ब्रिटिश साम्राज्य में कहीं और औपनिवेशिक शोषण का पक्षकार बन जाएगा।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: d
व्याख्या:

- महत्वपूर्ण बात यह है कि कांग्रेस के भीतर भी, नेहरू रिपोर्ट को सार्वभौमिक समर्थन प्राप्त नहीं था। बोस और जवाहरलाल नेहरू जैसे युवा नेता चाहते थे कि भारत ब्रिटिश साम्राज्य के साथ सभी संबंधों को तोड़ दे। उन्होंने तर्क दिया कि प्रभुत्व की स्थिति के तहत, जबकि भारत को एक निश्चित स्तर की स्वायत्तता प्राप्त होगी, ब्रिटिश संसद और क्राउन के पास अभी भी भारतीय मामलों में दखल देने की क्षमता होगी।
    - महत्वपूर्ण रूप से, बोस और नेहरू दोनों के लिए, प्रभुत्व का दर्जा प्राप्त करने से भारत ब्रिटिश साम्राज्य में कहीं और, मुख्य रूप से अफ्रीका में औपनिवेशिक शोषण का पक्षकार बन जाएगा। अपने पूर्ववर्तियों की तुलना में कहीं अधिक कट्टरपंथी विश्वदृष्टि के साथ, बोस और नेहरू ने उपनिवेशवाद विरोधी को न केवल भारत के लिए एक स्थानीय राजनीतिक मुद्दे के रूप में बल्कि अधिक वैश्विक लेंस में देखा।
    - हालांकि, गांधी अभी भी डोमिनियन स्टेटस के पक्ष में थे, यह तर्क देते हुए कि यह भारत के उपनिवेश विरोधी संघर्ष में एक स्वागत योग्य कदम होगा। जल्द ही उनके विचार बदलेंगे।

Q: निधि आपके निकट 2.0 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. भविष्य निधि अदालत का नाम बदलकर निधि आपके निकट रखा गया।
2. लक्षित दृष्टिकोण से लाभों का कुशल वितरण सुनिश्चित होगा।
3. यह शिकायत निवारण मंच नहीं है।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) 1 और 2
b) 2 और 3

c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: a
व्याख्या:

- निधि आपके निकट का दूसरा चरण न केवल नियोक्ताओं एवं कर्मचारियों के लिए शिकायत निवारण मंच और सूचना विनिमय नेटवर्क बनेगा, बल्कि विभिन्न राज्य सरकारों तथा केंद्र सरकार के विभागों में जिला स्तर वाले अधिकारियों के साथ सूचना के आदान-प्रदान हेतु एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में स्थापित होगा।
- यह लक्षित दृष्टिकोण उच्च कुशलता के माध्यम से सार्वजनिक संतुष्टि के साथ-साथ सुविधाओं के कुशल लाभ वितरण को सुनिश्चित करेगा।
- वर्ष 2015 में भविष्य निधि अदालत का नाम बदलकर निधि आपके निकट रखा गया तथा साल 2019 में ट्रेड यूनियनों की भागीदारी को आमंत्रित करके निधि आपके निकट कार्यक्रम की पहुंच में और सुधार किया गया।
- वर्ष 2021 में पेंशनरों की शिकायतों के निवारण के लिए एक विशेष मंच मासिक पेंशन अदालत की शुरुआत की गई थी।